प्रेस विज्ञप्ति

लोक भवन, राँची

दिनांक : 07 अगस्त, 2026 :-

(1) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज माईकल जॉन सभागार, टाटानगर, जमशेदपुर में 'राष्ट्रीय हस्तकरघा दिवस' के अवसर पर विवर्स डेवलपमेंट एण्ड रिसर्च ऑर्गेनाईजेशन (WDRO) द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय हस्तकरघा दिवस उन लाखों बुनकरों के श्रम, कौशल एवं सृजनशीलता को सम्मान देने का अवसर है, जिन्होंने सदियों से भारत की सांस्कृतिक पहचान को अपने हाथों से बुना है। उन्होंने कहा कि हस्तकरघा केवल वस्त्र निर्माण का माध्यम नहीं, बल्कि भारत की संस्कृति, परंपरा एवं आत्मनिर्भरता का सशक्त प्रतीक है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि राष्ट्रीय हस्तकरघा दिवस के अवसर पर यह स्मरण करना भी प्रासंगिक है कि वर्ष 1942 में प्रारम्भ हुए भारत छोड़ो आंदोलन ने स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा प्रदान की थी। उस दौर में चरखा, खादी और हस्तकरघा केवल वस्त्र

निर्माण के साधन नहीं थे, बल्कि स्वदेशी, आत्मनिर्भरता एवं राष्ट्रीय स्वाभिमान के सशक्त प्रतीक बन गए थे। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने खादी एवं स्वदेशी को जन-आंदोलन का स्वरूप देकर देशवासियों में आत्मनिर्भरता और आत्मगौरव की भावना का संचार किया।

माननीय राज्यपाल ने कहा कि झारखण्ड की जनजातीय एवं ग्रामीण परंपराओं में हस्तकरघा एवं हस्तशिल्प की समृद्ध विरासत विद्यमान है। राज्य का तसर रेशम अपनी उत्कृष्ट गुणवत्ता के लिए देशभर में विशेष पहचान रखता है। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक, नवाचार, डिज़ाइन, विपणन तथा डिजिटल माध्यमों से जोड़कर बुनकरों के उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार उपलब्ध कराया जाना समय की आवश्यकता है।

राज्यपाल महोदय ने अपने सार्वजनिक जीवन के अनुभवों का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्हें बुनकर समाज के बीच जाकर उनकी समस्याओं को निकट से समझने तथा केन्द्र सरकार में वस्त्र मंत्री के रूप में कार्य करते हुए उनके हितों के लिए कार्य करने का सौभाग्य मिला। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल में राष्ट्रीय हस्तकरघा दिवस मनाने की पहल प्रारंभ हुई, जिसका उद्देश्य देश के बुनकरों के श्रम, कौशल एवं

योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान देना तथा हस्तकरघा क्षेत्र को नई पहचान प्रदान करना था।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा 'वोकल फॉर लोकल', 'आत्मनिर्भर भारत' तथा 'पीएम विश्वकर्मा योजना' जैसी अनेक पहलों के माध्यम से बुनकरों, शिल्पकारों एवं पारंपरिक कारीगरों को सशक्त बनाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की पारंपरिक कला एवं हस्तशिल्प केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत ही नहीं, बल्कि विकसित भारत की आर्थिक शक्ति भी बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि हस्तकरघा क्षेत्र के समग्र विकास के लिए डिज़ाइन नवाचार, गुणवत्तापूर्ण उत्पादन, ब्रांडिंग, कौशल उन्नयन तथा युवाओं की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि शैक्षणिक संस्थान, उद्योग जगत, स्वयंसेवी संगठन एवं सरकार के संयुक्त प्रयासों से हस्तकरघा उद्योग को नई गति मिलेगी तथा विशेष रूप से महिलाओं एवं ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार एवं आत्मनिर्भरता के नए अवसर सृजित होंगे।

राज्यपाल महोदय ने सभी नागरिकों से हस्तकरघा उत्पादों को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि जब हम हस्तकरघा से

निर्मित कोई उत्पाद खरीदते हैं, तब हम केवल एक वस्त्र नहीं, बल्कि एक बुनकर परिवार की आजीविका को सशक्त करते हैं तथा 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को मजबूत बनाते हैं।

उक्त अवसर पर माननीय राज्यपाल ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले बुनकरों को सम्मानित भी किया।

---

(2) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज जमशेदपुर स्थित नेताजी सुभाष यूनिवर्सिटी के चतुर्थ दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह केवल उपाधि प्राप्त करने का अवसर नहीं, बल्कि जीवन की एक नई यात्रा का प्रारंभ है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि इस विश्वविद्यालय का नाम महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के नाम पर स्थापित है। नेताजी अदम्य साहस, अनुशासन, राष्ट्रभक्ति एवं दूरदर्शी नेतृत्व के प्रतीक थे। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे नेताजी के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें तथा राष्ट्रहित को सदैव सर्वोपरि रखें। उन्होंने यह भी अपेक्षा व्यक्त की कि विश्वविद्यालय अपने शैक्षणिक एवं संस्थागत कार्यकलापों में भी नेताजी के आदर्शों एवं सिद्धांतों का अनुसरण करेगा।

माननीय राज्यपाल ने कहा कि झारखण्ड युवा शक्ति, प्राकृतिक संसाधनों तथा समृद्ध जनजातीय एवं सांस्कृतिक विरासत से सम्पन्न राज्य है। यहाँ के युवाओं में प्रतिभा एवं क्षमता की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास, नवाचार एवं उचित अवसर उपलब्ध कराने की है। उन्होंने विश्वास व्यक्त

किया कि नेताजी सुभाष यूनिवर्सिटी राज्य के युवाओं को ऐसी शिक्षा प्रदान करेगी, जिससे वे राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर सकें।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में लागू राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 भारतीय शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा प्रदान कर रही है। यह नीति बहुविषयक शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार, कौशल विकास, भारतीय ज्ञान परंपरा तथा रोजगारोन्मुख शिक्षा को प्रोत्साहित करती है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों को विद्यार्थियों को केवल रोजगार प्राप्त करने के लिए नहीं, बल्कि नवाचार, उद्यमिता एवं रोजगार सृजन के लिए भी तैयार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), डिजिटल प्रौद्योगिकी, स्टार्टअप, अनुसंधान एवं नवाचार का युग है। विश्वविद्यालयों को ज्ञान के साथ-साथ शोध, उद्योग-जगत से समन्वय तथा उद्यमिता को भी बढ़ावा देना होगा। साथ ही शिक्षा का उद्देश्य चरित्र निर्माण, नैतिक मूल्यों, संवेदनशीलता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास भी होना चाहिए।

राज्यपाल महोदय ने निजी विश्वविद्यालयों से शिक्षा की गुणवत्ता, अनुसंधान, नवाचार, उत्कृष्ट शिक्षकों की

उपलब्धता तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राज्य के सभी निजी विश्वविद्यालय UGC एवं राज्य सरकार द्वारा निर्धारित मानकों का पूर्ण अनुपालन करते हुए उत्कृष्टता के नए प्रतिमान स्थापित करें तथा छात्रहित को सदैव सर्वोपरि रखें।

राज्यपाल महोदय ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे ज्ञान, विनम्रता, अनुशासन एवं सेवा-भाव को अपने व्यक्तित्व की पहचान बनाएँ। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जहाँ भी जाएँ, अपने माता-पिता, शिक्षकों, विश्वविद्यालय तथा झारखण्ड का नाम गौरवान्वित करें।

राज्यपाल महोदय ने हाल ही में माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा प्रारंभ किए गए 'नशा मुक्त युवा फ़ॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों से अपने विश्वविद्यालय परिसर को पूर्णतः नशामुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की सबसे बड़ी पूँजी उनका स्वस्थ तन, सशक्त मन एवं सकारात्मक चिंतन है। उन्होंने युवाओं से स्वयं नशे एवं मादक पदार्थों से दूर रहने तथा दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने का आग्रह किया।

(3) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज जमशेदपुर में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित “10 करोड़ नशामुक्त भारत अभियान” के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि नशामुक्ति केवल किसी व्यक्ति का विषय नहीं, बल्कि स्वस्थ, संस्कारवान एवं सशक्त समाज के निर्माण का सामूहिक संकल्प है। उन्होंने कहा कि ऐसे जन-जागरण अभियान तभी सफल होंगे, जब प्रत्येक व्यक्ति नशामुक्त जीवन का संकल्प लेकर उसे अपने दैनिक जीवन में आत्मसात करेगा।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि दो दिन पूर्व लोक भवन, राँची में भी इसी अभियान के अंतर्गत सामूहिक रूप से नशामुक्ति की प्रतिज्ञा ली गई थी। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल जागरूकता तक सीमित न रहकर जन-आंदोलन का स्वरूप ग्रहण करे, ताकि समाज में स्थायी एवं सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सके।

माननीय राज्यपाल ने कहा कि प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय विगत कई दशकों से राजयोग, आध्यात्मिक जागरण, नैतिक शिक्षा तथा मानवीय मूल्यों के संवर्धन का महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा

कि नशामुक्त समाज के निर्माण की दिशा में संस्था द्वारा संचालित यह अभियान अत्यंत प्रेरणादायी है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि उसके परिवार, आर्थिक स्थिति, सामाजिक प्रतिष्ठा एवं भविष्य पर भी गहरा प्रतिकूल प्रभाव डालता है। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि युवा शक्ति नशे की गिरफ्त में आ जाए, तो राष्ट्र की ऊर्जा एवं विकास की संभावनाएँ भी प्रभावित होती हैं। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी ने 'नशा मुक्त युवा फ़ॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' का शुभारंभ करते हुए नशामुक्ति को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान किया है। विकसित भारत के निर्माण के लिए आवश्यक है कि हमारा युवा तन से स्वस्थ, मन से सशक्त एवं आत्मविश्वास से परिपूर्ण हो।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि नशामुक्ति केवल कानून अथवा प्रशासनिक कार्रवाई से संभव नहीं है। इसके लिए परिवार, शिक्षण संस्थानों, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों, मीडिया तथा प्रशासन की समान रूप से सक्रिय

सहभागिता आवश्यक है। सामूहिक प्रयासों एवं जनभागीदारी से ही नशामुक्त समाज के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।